

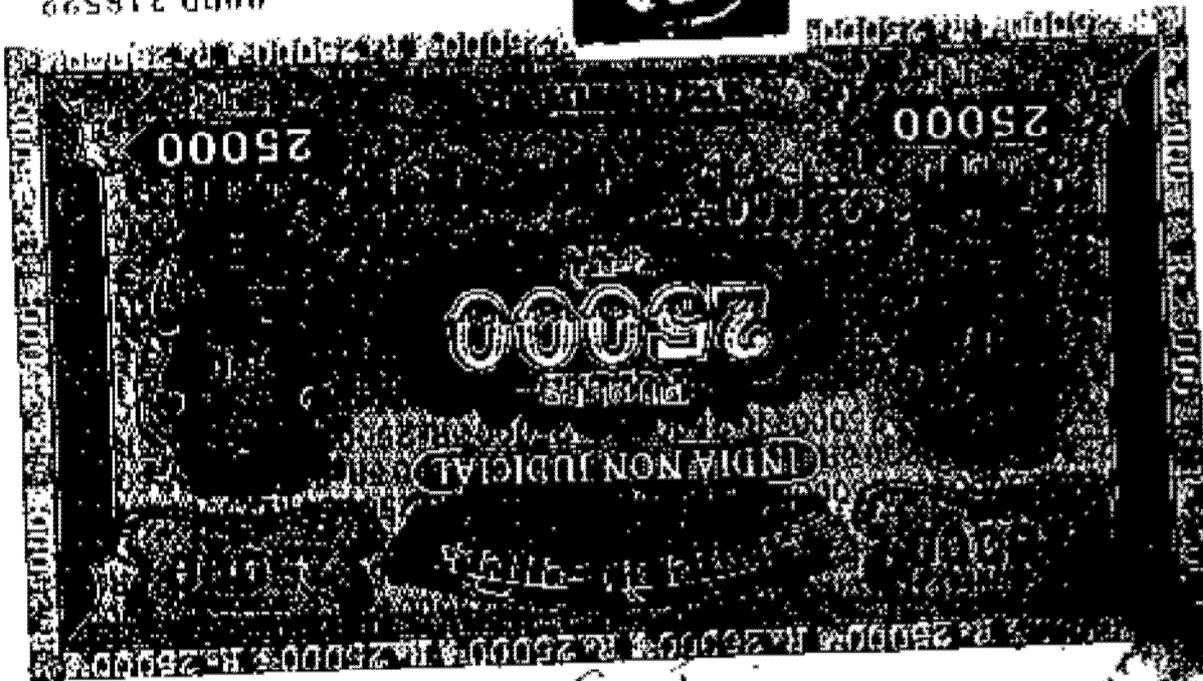
( 2015-16 )

2015

1. The total amount of Rs. 25,000/- is hereby sanctioned for the purchase of [illegible] for the year 2015-16.  
 2. The amount of Rs. 25,000/- is hereby sanctioned for the purchase of [illegible] for the year 2015-16.  
 3. The amount of Rs. 25,000/- is hereby sanctioned for the purchase of [illegible] for the year 2015-16.  
 4. The amount of Rs. 25,000/- is hereby sanctioned for the purchase of [illegible] for the year 2015-16.  
 5. The amount of Rs. 25,000/- is hereby sanctioned for the purchase of [illegible] for the year 2015-16.  
 6. The amount of Rs. 25,000/- is hereby sanctioned for the purchase of [illegible] for the year 2015-16.  
 7. The amount of Rs. 25,000/- is hereby sanctioned for the purchase of [illegible] for the year 2015-16.  
 8. The amount of Rs. 25,000/- is hereby sanctioned for the purchase of [illegible] for the year 2015-16.  
 9. The amount of Rs. 25,000/- is hereby sanctioned for the purchase of [illegible] for the year 2015-16.  
 10. The amount of Rs. 25,000/- is hereby sanctioned for the purchase of [illegible] for the year 2015-16.



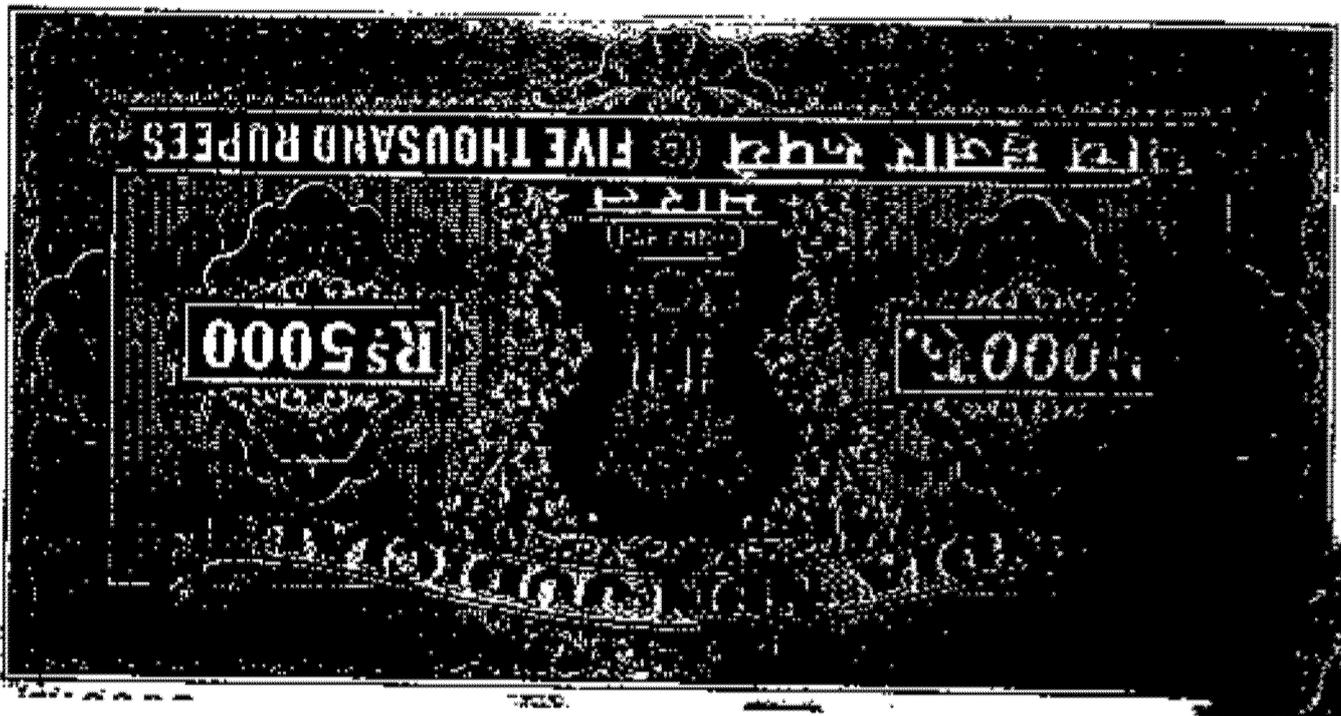
0000 318522

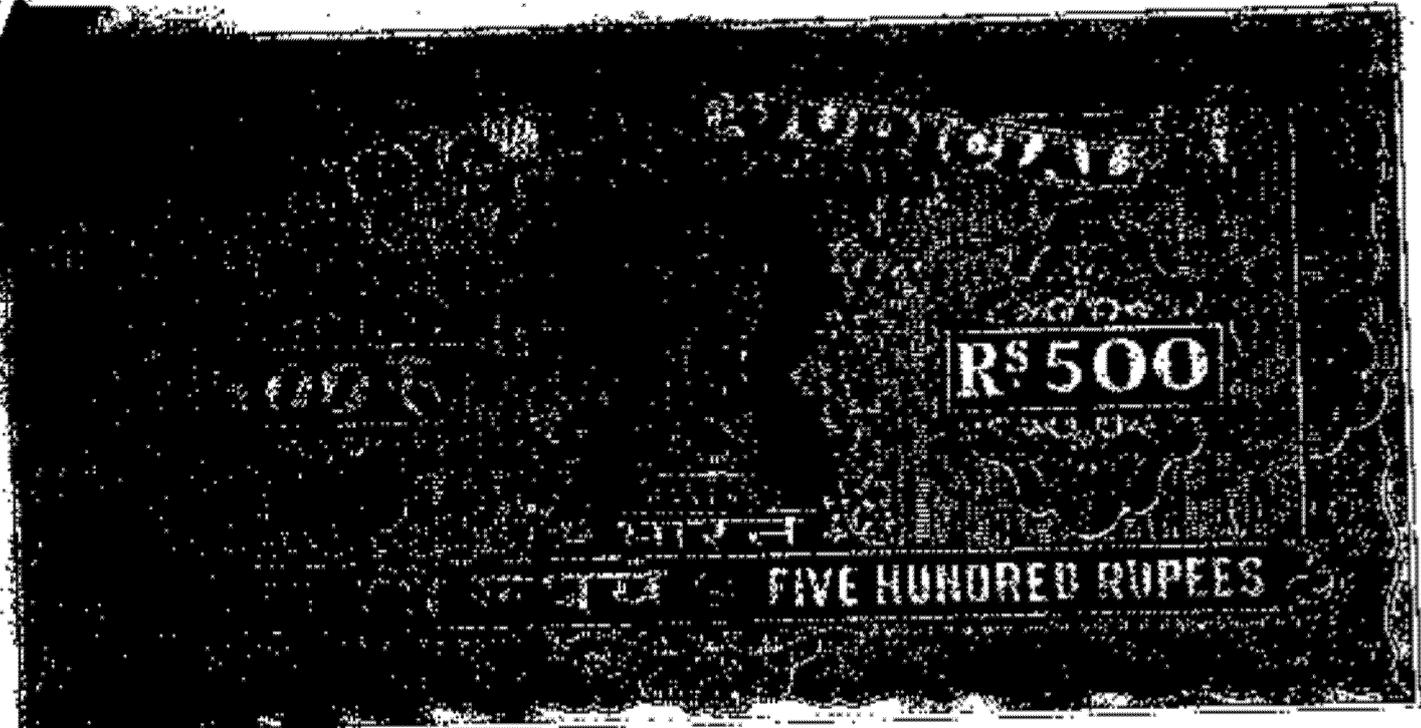


Handwritten signature or mark at the top center.

1. The first part of the document is a declaration of the facts of the case.  
 2. The second part is a declaration of the facts of the case.  
 3. The third part is a declaration of the facts of the case.  
 4. The fourth part is a declaration of the facts of the case.  
 5. The fifth part is a declaration of the facts of the case.  
 6. The sixth part is a declaration of the facts of the case.  
 7. The seventh part is a declaration of the facts of the case.  
 8. The eighth part is a declaration of the facts of the case.  
 9. The ninth part is a declaration of the facts of the case.  
 10. The tenth part is a declaration of the facts of the case.

३३ २ ३३



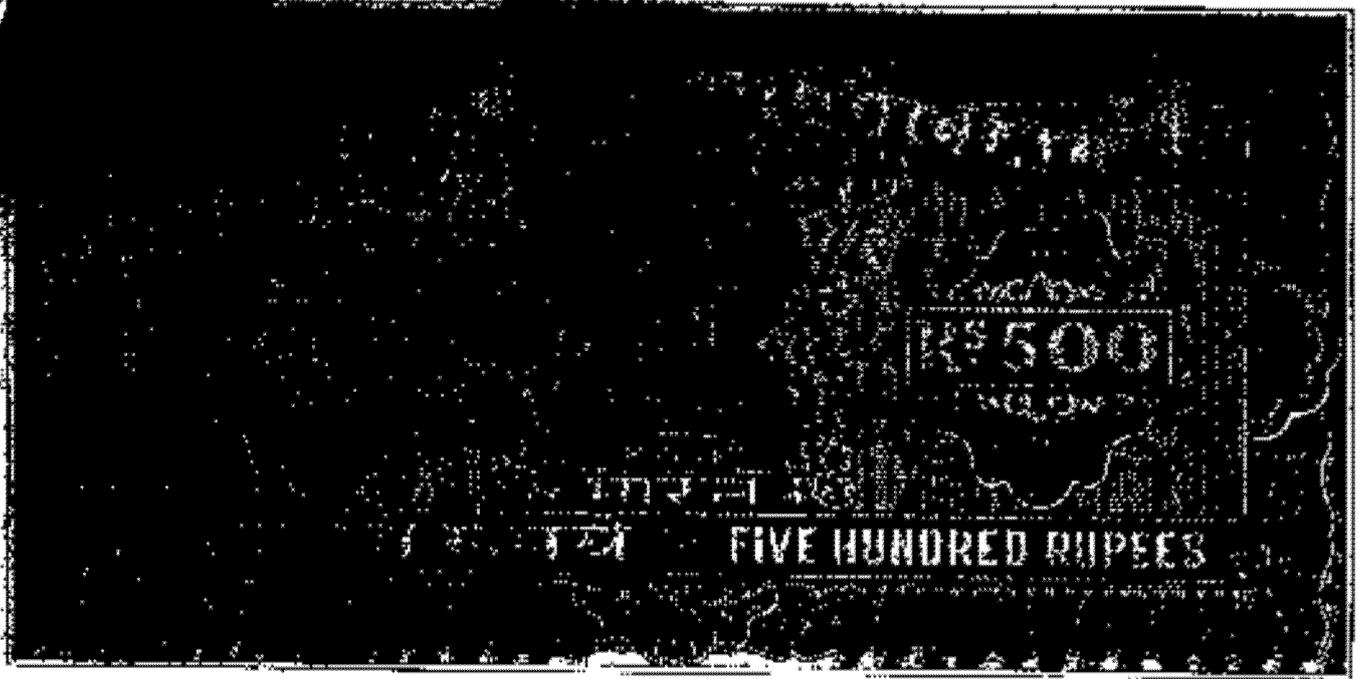


११ ३ ३४

23-05-1989 सापुडावा गा. 106-89 जिखी राजपुरी वडी नगर-4  
जिल्हा 203 के पुढील मंडळ नमूद 1.6 के नगर 198 पर जिल्हा तला-  
रजिटराई अंती राजपुरी वडी थी वी हे हु तत्वावेत पुढील नाम  
गा. 115 सापुडावा गा. के गा. वीर व वैजिण पुढील नाम गा.  
के वल भूमि वारि विधा गा. वी वी वल परगना व तलावेत अंती  
पुढील पुढील गा. वी वी वल परगना-19 गा. वी अंती वल  
परगना व तलावेत अंती वली वी वल जमींदारी माल्य वली वुई हे  
वो वल भूमि को भीमवि रजिटर केवो पुढील गा. वी वल वली हे

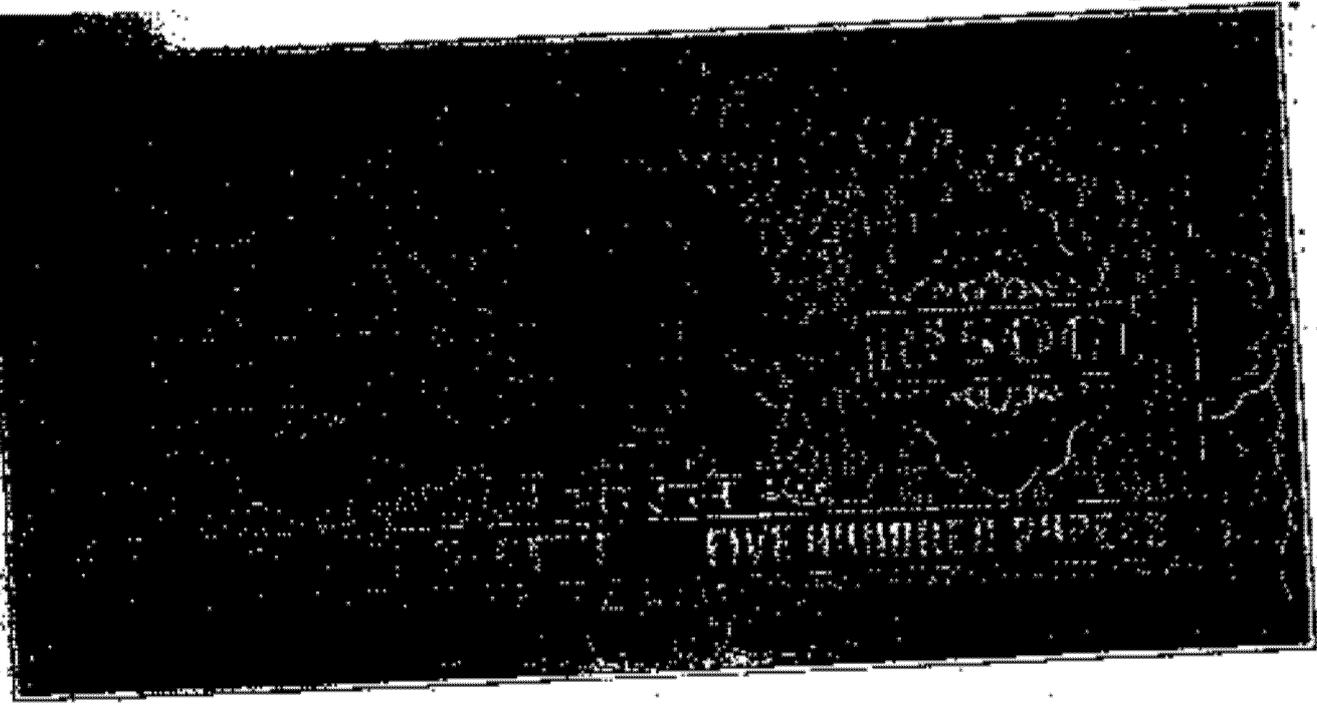
*(Signature)*

.....



११ ५ ११

जैन मुद्रि में दो कुर्वां विमर्षे एक कुर्वां विरकर वेरत नाबूद जो मया  
 है व एक कुर्वां गुला गुलाया गुलाय ५ भाग मया है जैन मुद्रिगारि  
 की निदा विरित दा ५, 50,000/- याद नाबूद एवाय एवाय १० मुद्रि  
 हेक्टेयर है मुद्रि की मा विमर्ष ३, ५०, 500/- तीस भाब मत्तारा ४  
 हजार पाँच सौ ५ कुर्वां की मा विमर्ष १५००/- श्रुच्छीम सौ एवाय  
 कुम्ला बाबा ४ मा विमर्ष ३, 20, 000/- तीस भाब तीस हजार एवाय  
 विक्रम मूल्य १, 00, 000/- एक लाख एवाय जैन मुद्रि की श्रीमती कुर्वां  
 देवी तमहा सम्पूर्ण रूप से विमर्षारिणा है जो कर्वां एवा अथवा एहन  
 नहीं है उपरो का मूल्य में उपरो का कुर्वाणों को कर्वां टाया करती है  
 विमर्षा व दखन तांहीच एवायका से बाप कुर्वां को पशुयों दे विमर्षा है  
 अधिकतर बाप कुर्वाण जैन मुद्रि में दया भागत करे या अन्य स्थिति  
 से अथवा कराये या विमर्षा करे जो ३० कुर्वां एक-एक की गती ३ विमर्ष  
 देवी को अथवा ता जैन मुद्रि में ना विमर्षे कुल कुम्ला एक-एक बाप कुर्वाणों



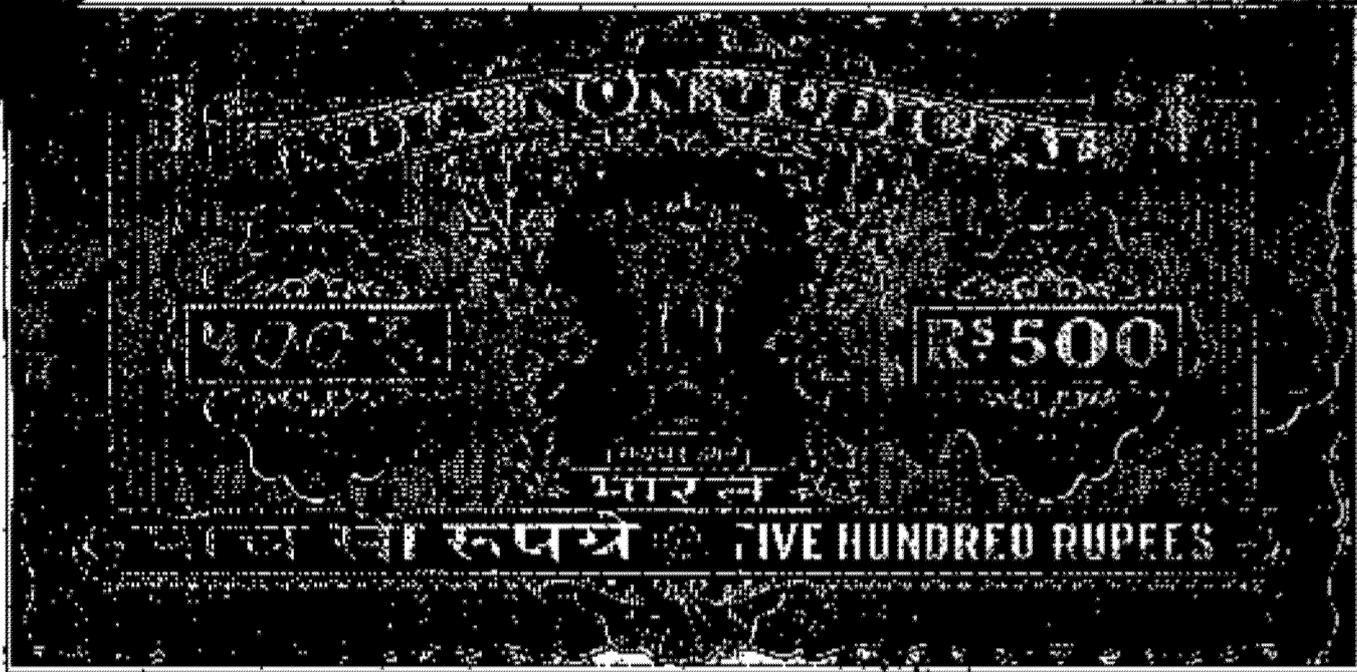
११ ५ ११

को हासिल हुए व गविकल्प में व्ययित होने कारा किसी का मुनी मुक्त  
की धन से जैल पुष्पारि मुवैला कने क्रेताग्याओं से निकल जाये तो  
कुल रकम की देनदार होमती उर्मिला देनी उपरोक्त प्रग रता व खर्चा  
की देन धार सीमी निहाज का दुस्कर्ती ले गाल्यात व स्वेरता में  
यह कैनामा कर्त कुल रग्या पहले पाकर तवरीर कर एिया साथ पर  
काम आये तस्मील माराजी पुष्पारि रिक्ता मोजा जाती कात  
मुहात मुलाव तन्द् ननि ड्रेड ए वेम्बर-

नम्बर:- कैलेर

- 606 छः सौ छः-- 0. 251 जीरो दगागल्य सौ सौ इकतीस
  - 609 मी. छः सौ गोल मी. 0. 178 जीरो दगागल्य एक सौ अदहत्तर
  - 609 छः सौ नौ 0. 049 जीरो दगागल्य जीरो उन्नतास
  - 613 छः सौ तेरह 0. 089 जीरो दगागल्य जीरो एत नाइन
  - 619 मी. छः सौ उन्नीस मी. 0. 057 जीरो दगागल्य जीरो सन्ताधन
  - 621 छः सौ इक्कीस 0. 036 जीरो दगागल्य जीरो छत्तीस
  - 625 छः सौ पच्चीस 0. 065 जीरो दगागल्य जीरो पैंस
- समत कित्ता रक्या 0. 705 कैलेर पूर्ण रिपुव मिया है कृनि योग्य  
मंजर मुमि है।

*(Signature)*



११ 6 ११

नोट- प्रति एक सत्र सात पुस्तक पुस्तक पत्र है व अत्र आठ में विचारी काकर  
शियाली निष्ठा है व प्रति तीन पत्र प्रति में पुस्तक है

दिनांक:- 30-07-1997 ई.

डाफ्टि एण्ड, वर्य वार्ड:- लोक मन्थन, इको

कॉन्टैक्ट - @ 1115

Handwritten notes and stamps, including a circular stamp with the number 1115 and some illegible text.

गठ Kamlesh Kumar Yadav

San J.H.S.

गठ

Handwritten signature and address: श्रीमान काशिश्वर कुमार यादव, नं. 1115, इको, मुंबई (वी. ई. 400 001)

2300 2000  
500  
1000



उप.क्र. नं 120/13 दि 16.8.54  
के परिशिष्ट प्रलेखीयक पत्र है  
स्वीकृत 16.8.54

14.8.54  
1594  
195  
206  
4741  
I  
me

